اَلْحَمْدُ لِلّٰہِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوۃُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰہِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ ؕ بِسْمِ اللّٰہِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ؕ

एक नज़र में

मअ़ अवक़ाते नमाज़

ह़ज व उ़मरह

उ़म्रह की निय्यत

اَللّٰھُمَّ اِنِّیۡۤ اُرِیۡدُ الۡعُمۡرَۃَ ط فَیَسِّرۡھَالِیۡ وَتَقَبَّلۡھَا مِنِّیۡ ط وَاَعِنِّیۡ عَلَیۡھَا وَبَارِکۡ لِیۡ فِیۡھَا نَوَیۡتُ الۡعُمۡرَۃَ وَاَحۡرَمۡتُ بِھَالِلّٰہِ تَعَالٰی

ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ! मैं उ़म्रह का इरादा करता हूं, मेरे लिये इसे आसान फ़रमा और इसे मेरी त़रफ़ से क़बूल फ़रमा। और इसे (अदा करने में) मेरी मदद फ़रमा और इसे मेरे लिये बा ब-र-कत फ़रमा मैं ने उ़म्रह की निय्यत की और अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के लिये इस का एह़राम बांधा।

नाखुन, बग़ल व ज़ेरे नाफ़ के बाल काट कर बा'द अज़ ग़ुस्ल इस्लामी भाई एह़राम बांधें, इस्लामी बहनें ह़स्बे मा'मूल लिबास पहने रहें, इ़त्र लगाएं, मकरूह वक़्त न हो तो एह़राम के दो नफ़्ल अदा करें। इस्लामी भाई सर बरह्ना कर लें, इस्लामी बहनें भी मुंह पर कपड़ा न डालें, उ़म्रह की निय्यत करें फिर तीन बार **लब्बैक** पढ़ें :

لَبَّیۡکَ ط اَللّٰھُمَّ لَبَّیۡکَ ط لَبَّیۡکَ لَا شَرِیۡکَ لَکَ لَبَّیۡکَ ط اِنَّ الۡحَمۡدَ وَالنِّعۡمَۃَ لَکَ وَالۡمُلۡکَ ط لَا شَرِیۡکَ لَکَ ط

मैं ह़ाज़िर हूं, ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ मैं ह़ाज़िर हूं, (हां) मैं ह़ाज़िर हूं, तेरा कोई शरीक नहीं, मैं ह़ाज़िर हूं, बेशक तमाम ख़ूबियां और ने'मतें तेरे लिये हैं और तेरा ही मुल्क भी, तेरा कोई शरीक नहीं।

तवाफ़ की निय्यत

इस्लामी भाई सीधा कन्धा बरह्ना कर लें और रू ब का'बा रुक्ने यमानी की जानिब ह़-जरे अस्वद के क़रीब इस तरह़ खड़े हों कि पूरा ह़-जरे अस्वद सीधे हाथ की तरफ़ रहे। अब तवाफ़ की इस तरह़ निय्यत करें :

اَللّٰهُمَّ اِنِّیْٓ اُرِیْدُ طَوَافَ بَیْتِکَ الْحَرَامِ
فَیَسِّرْهُ لِیْ وَتَقَبَّلْهُ مِنِّیْ ط

ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ! मैं तेरे मोहतरम घर का तवाफ़ करने का इरादा करता हूं तू इसे मेरे लिये आसान फ़रमा दे और मेरी जानिब से इसे क़बूल फ़रमा।

अब का'बे को मुंह किये अपनी सीधी तरफ़ थोड़ा सा चल कर ह़-जरे अस्वद के ठीक सामने आ जाएं दोनों हथेलियां इस तरह़ कानों तक उठाएं कि ह़-जरे अस्वद की तरफ़ रहें और पढ़ें :

بِسْمِ اللّٰہِ وَالْحَمْدُ لِلّٰہِ وَاللّٰہُ اَکْبَرُ وَالصَّلٰوۃُ وَالسَّلَامُ
عَلٰی رَسُوْلِ اللّٰہِ ط

अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के नाम से और तमाम ख़ूबियां अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के लिये हैं और अल्लाह عَزَّوَجَلَّ बहुत बड़ा है, और अल्लाह के रसूल صَلَّی اللّٰہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم पर दुरूदो सलाम हों।

और **ह़-जरे अस्वद** का इस्तिलाम करें, फिर फ़ौरन सीधे हाथ पर इस तरह़ मुड़ जाएं कि का'बा शरीफ़ आप के उलटे हाथ की तरफ़ रहे, इस्लामी भाई शुरूअ़ के तीन फेरों में रमल करें, या'नी जल्द जल्द छोटे क़दम रखते कन्धे हिलाते चलें, रुक्ने अस्वद पर एक फेरा पूरा हो गया। फिर पहले ही की तरह़ इस्तिलाम करें, अब निय्यत की ज़रूरत नहीं। तीन फेरों के बा'द

इस्लामी भाई भी दरमियानी चाल से त़वाफ़ करें, सात फेरे मुकम्मल करने के बा'द आठवीं बार इस्तिलाम करें। अब सीधा कन्धा ढांप लें, हर त़वाफ़ में फेरे सात और इस्तिलाम आठ होते हैं, अब अगर मकरूह वक़्त न हो तो अभी वरना बा'द में मस्जिदुल ह़राम में दो रक्अ़त नमाज़ **वाजिबुत्तवाफ़** अदा करें, फिर मुल्तज़म पर दुआ़ मांगें। इस के बा'द क़िब्ला रू खड़े खड़े **ज़मज़म शरीफ़** पियें।

सअ़्य

पहले ही की त़रह़ नवीं[9] बार इस्तिलाम करें। **सफ़ा शरीफ़** के मार्बल बिछे हुए ह़िस्से पर मा'मूली सा चढ़ें कि का'बा शरीफ़ नज़र आ जाए, क़िब्ला रू खड़े हो कर दुआ़ की त़रह़ हाथ उठा कर दुआ़ मांगें, फिर सअ़्य की निय्यत करें कि मुस्तह़ब है, बिग़ैर निय्यत भी **सअ़्य** दुरुस्त है, **सब्ज़ मीलों** के दरमियान इस्लामी भाई दौड़ें, **मर्वह** आ गया ! एक फेरा पूरा हुवा। चेक टाईल के नीचे क़िब्ला रू खड़े हो कर पहले ही की त़रह़ दुआ़ मांगें, निय्यत की ज़रूरत नहीं। इसी त़रह़ चलते दौड़ते सातवां फेरा मर्वह पर ख़त्म होगा "जदीद मस्आ़" के बजाए तहख़ाने में सअ़्य कीजिये अब **ह़ल्क़ या तक़्सीर** करवाएं। तक़्सीर में चौथाई सर के बालों में से हर बाल कम अज़ कम उंगली के एक पोरे के बराबर कट जाना ज़रूरी है। कैंची के ज़रीए दो[2] तीन[3] जगह से चन्द बाल कटवा लेने से एह़राम की पाबन्दियां ख़त्म नहीं होतीं। इस्लामी बहनें सिर्फ़ तक़्सीर करवाएं, उ़म्रह पूरा हुवा। **ह़ज्जे तमत्तोअ़** करने वाले ह़ल्क़ या तक़्सीर के बा'द एह़राम से फ़ारिग़ हो गए, मगर ह़ज्जे "इफ़राद" और "क़िरान" वाले ह़ल्क़, तक़्सीर अभी नहीं कर सकते इन्हें इसी एह़राम से ह़ज अदा करना है, इफ़राद वाले के लिये येह त़वाफ़, त़वाफ़े क़ुदूम हुवा, क़िरान वाला इस के बा'द त़वाफ़े क़ुदूम की निय्यत से एक और त़वाफ़ व सअ़्य बजा लाए।

हज की निय्यत

اَللّٰھُمَّ اِنِّیۡۤ اُرِیۡدُ الۡحَجَّ فَیَسِّرۡہُ لِیۡ وَتَقَبَّلۡهُ مِنِّیۡ ط وَاَعِنِّیۡ عَلَیۡهِ
وَبَارِکۡ لِیۡ فِیۡهِ ط نَوَیۡتُ الۡحَجَّ وَاَحۡرَمۡتُ بِهٖ لِلّٰهِ تَعَالٰی

ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ! मैं ह़ज का इरादा करता हूं इस को तू मेरे लिये आसान कर दे और इसे मुझ से क़बूल फ़रमा और इस में मेरी मदद फ़रमा और इसे मेरे लिये बा ब-र-कत फ़रमा, मैं ने ह़ज की निय्यत की और अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के लिये इस का एह़राम बांधा।

ह़ज का पहला दिन

8 ज़ुल ह़िज्जा को एह़राम बांध कर ह़ज की निय्यत और **लब्बैक**, अब **ह़ज्जे तमत्तोअ़** वाले चाहें तो एक नफ़्ली त़वाफ़ में ह़ज के रमल व सअ़्य से फ़ारिग़ हो लें वरना त़वाफ़ुज़्ज़ियारह में ह़ज के रमल व सअ़्य कर लें और इसी में आसानी है, मिना शरीफ़ की रवानगी, आठवीं[8] को नमाज़े ज़ोहर ता नवीं[9] की फ़ज्र पांच नमाज़ें मिना में अदा करना सुन्नत है।

ह़ज का दूसरा दिन

9 ज़ुल ह़िज्जा को **सूए अ़-रफ़ात** रवानगी, दो पहर के बा'द वुक़ूफ़े अ़-रफ़ात, सूरज ग़ुरूब होने के बा'द नमाज़े मग़रिब पढ़े बिग़ैर सूए **मुज़्दलिफ़ा** रवानगी, मुज़्दलिफ़ा में इ़शा के वक़्त में मग़रिब व इ़शा मिला कर पढ़ना, रमी के लिये **49** से चन्द ज़ाइद कंकरियां जम्अ़ करना। दसवीं[10] को सुब्ह़े सादिक़ के बा'द **मुज़्दलिफ़ा का वुक़ूफ़**, नमाज़े फ़ज्र के बा'द मिना शरीफ़ रवानगी।

हज का तीसरा दिन

10 ज़ुल हिज्जा को तुलूए आफ़्ताब के बा'द सिर्फ़ बड़े शैतान को सात कंकरियां मारना, फिर कुरबानी करना (टोकन हरगिज़ न ख़रीदें) फिर ह़ल्क़ या तक़्सीर फिर **त़वाफ़ुज़्ज़ियारह।**

हज का चौथा दिन

ज़ुल हिज्जा को ज़ोहर का वक़्त शुरूअ़ होने के बा'द पहले छोटे फिर मंझले फिर बड़े शैतान की रमी करना, रात मिना शरीफ़ में क़ियाम।

हज का पांचवां दिन

12 ज़ुल हिज्जा को ज़ोहर का वक़्त शुरूअ़ होने के बा'द ग्यारहवीं[11] ही की त़रह तीनों शैतानों पर रमी करना, अगर **13वीं** की रमी न करनी हो तो गुरूबे आफ़्ताब से क़ब्ल मिना की हुदूद से निकल जाएं, इस्लामी बहनों को भी तीनों[3] दिन अपने हाथ से रमी करना वाजिब है और तर्के वाजिब पर दम वाजिब, अगर किसी ने अभी त़वाफ़ुज़्ज़ियारह न किया हो तो **12वीं** को गुरूबे आफ़्ताब से पहले पहले कर ले।

येह कार्ड नाकाफ़ी है, **रफ़ीक़ुल ह़-रमैन** पढ़ लें
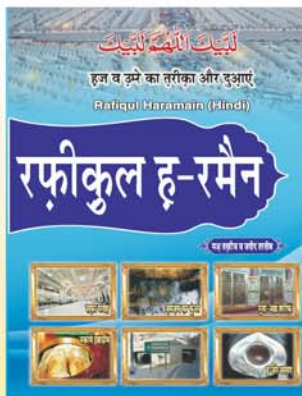
फिर इस कार्ड के ज़रीए मनासिके ह़ज अदा करें

रौज़ए رسول صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم पर हाज़िरी

मस्जिदे न-बवी صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم के दरवाज़ए मुबा-रका पर रुक कर ब निय्यते इजाज़त अ़र्ज़ करें :

اَلصَّلٰوۃُ وَالسَّلَامُ عَلَیْکَ یَارَسُوْلَ اللّٰہ

सुनहरी जालियों के रू बरू बड़े सूराख़ और दो छोटे सूराख़ों के दरमियान दरवाज़ए मुबा-रका की मशरिक़ी जानिब लगी हुई चांदी की कीलों की सीध में कम अज़ कम दो[2] गज़ दूर नमाज़ की त़रह़ हाथ बांध कर सरकार صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم की बारगाह में दरमियाना आवाज़ में इस त़रह़ सलातो सलाम अ़र्ज़ करें :

اَلسَّلَامُ عَلَیْکَ اَیُّھَا النَّبِیُّ وَرَحْمَۃُ اللّٰہِ وَبَرَکَاتُہ، اَلسَّلَامُ عَلَیْکَ یَارَسُوْلَ اللّٰہِ، اَلسَّلَامُ عَلَیْکَ یَا خَیْرَ خَلْقِ اللّٰہِ، اَلسَّلَامُ عَلَیْکَ یَا شَفِیْعَ الْمُذْنِبِیْنَ، اَلسَّلَامُ عَلَیْکَ وَعَلٰی اٰلِکَ وَاَصْحَابِکَ وَاُمَّتِکَ اَجْمَعِیْنَ ط

ऐ नबी (صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم) आप पर सलाम और अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की रह़मत और ब-र-कतें, ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के रसूल صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم आप पर सलाम, ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की तमाम मख़्लूक़ से बेहतर आप पर सलाम, ऐ गुनाहगारों की शफ़ाअ़त करने वाले, आप पर सलाम, आप पर, आप की आल व अस्ह़ाब पर, और आप की तमाम उम्मत पर सलाम।

दुआ़ के लिये जाली मुबारक को हरगिज़ पीठ न करें।

ٱلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

अवक़ाते नमाज़ व सहर व इफ़्तार बराए मक्कतुल मुकर्रमा और मज़ाफ़ात

(मिना, मुज़्दलिफ़ा, अ़-रफ़ात)

OCTOBER अक्तूबर

तारीख़	ख़त्मे स-हरी/फ़ज्र	तुलूए आफ़ताब	जहूवए कुब्रा	ज़ोहर	अ़स्र	इफ़्तार/मग़रिब	इशा
DATE	FAJR	SUNRISE	D.KUBRA	ZOHR	ASR(H)	MAGHRIB	ISHA
1	4:57:39	6:09:28	11:32:55	12:10:46	4:30:40	6:11:13	7:22:59
2	4:57:56	6:09:45	11:32:36	12:10:27	4:29:55	6:10:18	7:22:03
3	4:58:13	6:10:03	11:32:17	12:10:08	4:29:11	6:09:22	7:21:08
4	4:58:31	6:10:20	11:31:58	12:09:49	4:28:27	6:08:27	7:20:14
5	4:58:48	6:10:38	11:31:39	12:09:31	4:27:42	6:07:33	7:19:20
6	4:59:05	6:10:57	11:31:21	12:09:13	4:26:58	6:06:39	7:18:26
7	4:59:23	6:11:15	11:31:03	12:08:55	4:26:14	6:05:45	7:17:34
8	4:59:41	6:11:34	11:30:45	12:08:38	4:25:31	6:04:52	7:16:42
9	4:59:59	6:11:53	11:30:28	12:08:21	4:24:47	6:03:59	7:15:51
10	5:00:16	6:12:13	11:30:10	12:08:05	4:24:04	6:03:07	7:15:01
11	5:00:34	6:12:33	11:29:54	12:07:49	4:23:21	6:02:15	7:14:11
12	5:00:52	6:12:53	11:29:37	12:07:33	4:22:38	6:01:24	7:13:22
13	5:01:11	6:13:14	11:29:21	12:07:18	4:21:55	6:00:33	7:12:34
14	5:01:29	6:13:35	11:29:05	12:07:04	4:21:13	5:59:43	7:11:47
15	5:01:48	6:13:56	11:28:50	12:06:50	4:20:32	5:58:54	7:11:01
16	5:02:07	6:14:18	11:28:35	12:06:37	4:19:50	5:58:06	7:10:15
17	5:02:26	6:14:41	11:28:21	12:06:24	4:19:10	5:57:18	7:09:31
18	5:02:45	6:15:03	11:28:07	12:06:12	4:18:29	5:56:31	7:08:48
19	5:03:05	6:15:27	11:27:54	12:06:01	4:17:49	5:55:45	7:08:05
20	5:03:25	6:15:51	11:27:41	12:05:50	4:17:10	5:54:59	7:07:24
21	5:03:45	6:16:15	11:27:29	12:05:40	4:16:31	5:54:15	7:06:43
22	5:04:06	6:16:40	11:27:17	12:05:30	4:15:53	5:53:31	7:06:04
23	5:04:27	6:17:05	11:27:06	12:05:21	4:15:16	5:52:48	7:05:25
24	5:04:48	6:17:31	11:26:56	12:05:13	4:14:39	5:52:06	7:04:48
25	5:05:10	6:17:57	11:26:46	12:05:06	4:14:03	5:51:25	7:04:12
26	5:05:32	6:18:24	11:26:37	12:04:59	4:13:27	5:50:45	7:03:36
27	5:05:54	6:18:51	11:26:29	12:04:53	4:12:53	5:50:06	7:03:02
28	5:06:17	6:19:19	11:26:21	12:04:47	4:12:19	5:49:28	7:02:30

नोट : अ़-रफ़ात के लिये दर्जे बाला अवक़ात से 32 सेकन्ड कम कर लीजिये।